(8Pages) (6T)

एम.एच.डी

एम.ए. हिंदी कार्यक्रम

एम.ए. हिन्दी प्रथम वर्ष के सत्रीय कार्य
(जुलाई 2013 एवं जनवरी 2014 सत्रों के लिए)

एम.एच.डी.-2 : आधुनिक हिंदी काव्य
एम.एच.डी.-3 : उपन्यास एवं कहानी
एम.एच.डी.-4 : नाटक और अन्य गद्य विधाएँ
एम.एच.डी.-6 : हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास

मानविकी विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली-110 068

सत्रीय कार्य-2013-14

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.डी.

प्रिय छात्र/छात्राओ,

यह एम.ए. हिंदी प्रथम वर्ष के सत्रीय कार्यों की पुस्तिका है। इसमें एम.एच.डी.-02, 03, 04 और 06 पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य हैं। ये 8-8 क्रेडिट के पाठ्यक्रम हैं और आपको हर पाठ्यक्रम में एक-एक सत्रीय कार्य करना होगा। प्रत्येक सत्रीय कार्य 100 अंकों का है। प्रत्येक सत्रीय कार्य में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे गए हैं।

एम.ए. कार्यक्रम में अध्ययन के लिए आपको कई खंडों में पाठ्य सामग्री भेजी गई है। साथ ही पाठ्यक्रमों में अतिरिक्त अध्ययन के लिए "विवेचना" नाम से आलोचनात्मक लेखों के संग्रह भेजे गए हैं। पाठ्यक्रम 2, 3 तथा 4 में "विविधा" नाम से मूल साहित्यिक कृतियों का संकलन किया गया है। पाठ्यक्रमों में शामिल नाटक और उपन्यासों को प्राप्त करने की व्यवस्था आपको स्वयं करनी होगी। आपसे अपेक्षा की जाती है कि सत्रीय कार्य करने से पहले इन सभी कृतियों को पढ़ लें।

एम.ए. स्तर पर परीक्षा में पूछे जाने वाले सवाल केवल पाठ्य पुस्तकों तक सीमित नहीं होते। अतः छात्रों से यह भी अपेक्षा की जाती है कि वे उपलब्ध कराई गई सामग्री के अतिरिक्त पुस्तकालयों से अन्य पुस्तकों और पत्रिकाओं का भी अध्ययन करें, जिससे ज्ञान में वृद्धि हो।

उद्देश्य : सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्यक्रम से संबंधित सामग्री को कितना पढ़ा-समझा है और उसका विवेचन-विश्लेषण और मूल्यांकन करने की क्षमता कितनी अर्जित की है। सत्रीय कार्यों का उद्देश्य यह भी है कि पाठ्य सामग्री के अध्ययन के पश्चात् आप उसके संबंध में स्वयं अपना दृष्टिकोण विकसित कर सकें और उन्हें अपने शब्दों में लिख सकें। इसका तात्पर्य यह है कि विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध कराई गई सामग्री को आप पुनर्प्रस्तुत न करें। बल्कि पूछे गए प्रश्नों का उत्तर सोच-विचारकर अपने शब्दों में लिखें। आपके उत्तर में आपका अध्ययन, आलोचनात्मक दृष्टि, रचनाओं के बारे में आपकी अपनी समझ और भाषा पर आपका अधिकार व्यक्त होना चाहिए। आपके सत्रीय कार्य का मूल्यांकन करते हुए परीक्षक इन सभी बातों को ध्यान में रखेंगे।

निर्देश : सत्रीय कार्य आरंभ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िए :

1. एम.ए. हिंदी के पाठ्यक्रमों के लिए कार्यक्रम दर्शिका में दिए हुए निर्देशों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए।
2. अपनी उत्तर पुस्तिका के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अपना अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखिए।
3. अपनी उत्तर पुस्तिकाओं की बाईं ओर पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य कोड और उस अध्ययन केंद्र का नाम/कोड लिखिए जिससे आप संबद्ध हैं।

उत्तर पुस्तिका का प्रथम पृष्ठ निम्न प्रकार से शुरू होगा :

	अनुक्रमांक : .....
	नाम : .....
	पता : .....
पाठ्यक्रम का नाम/कोड :	.....
सत्रीय कार्य कोड :	.....
अध्ययन केंद्र का नाम/कोड :	दिनांक : .....

4. उत्तर के लिए केवल फुलस्केप के आकार के कागज का इस्तेमाल करें और उन कागजों को अच्छी तरह से बाँध लें।
5. प्रत्येक उत्तर से पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें।
6. अपनी ही लिखावट में उत्तर दें।
7. सत्रीय कार्य की उत्तर पुस्तिका जाँच के लिए अपने अध्ययन केंद्र के संचालक के पास **जुलाई 2013 सत्र के लिए 31 मार्च 2014 एवं जनवरी 2014 सत्र के लिए 30 सितंबर 2014** तक अवश्य जमा करा दें।

प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित निर्देशों का सावधानीपूर्वक अध्ययन करें :

1. प्रश्नों में जो पूछा गया है, उसको अच्छी तरह समझ कर उत्तर लिखें। जो नहीं पूछा गया है, उसे न लिखें। जितना पूछा गया है, उतना ही लिखें।
2. व्याख्या से संबंधित काव्यांशों में, संदर्भ, प्रसंग, व्याख्या और भाषा, शैली या अन्य किसी विशेष बात का उल्लेख करें। इन सभी पहलुओं के लिए अंक निर्धारित होते हैं।
3. आपका उत्तर सुसंगत, सुबोधगम्य और स्पष्ट हो।
4. वाक्यों और अनुच्छेदों के बीच क्रमबद्धता हो।
5. आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हों, विशेष रूप से वर्तनी और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें।
6. उत्तर साफ और सुंदर अक्षरों में लिखें तथा जिन बातों पर बल देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित कर दें।
7. अपने पास सत्रीय कार्य के उत्तर की प्रति अवश्य रखें।

शुभकामनाओं के साथ!

नोटः याद रखें कि परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है। अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

एम.एच.डी-2 : आधुनिक हिंदी-काव्य

सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम.एच.डी-2/टी.एम.ए/2013-14
कुल अंक : 100

1. निम्नलिखित काव्यांशों की लगभग 300 शब्दों में सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 12×3=36

(क) जीवन की जटिल समस्या
है बढ़ी जटा सी कैसी
उड़ती है धूल हृदय में
किसकी विभूति है ऐसी?

जो घनीभूत पीड़ा थी
मस्तक में स्मृति सी छायी
दुर्दिन में आँसू बनकर
वह आज बरसने आयी।

(ख) कालिदास, सच–सच बतलाना!
इंदुमती के मृत्युशोक से
अज रोया या तुम रोये थे?
कालिदास, सच–सच बतलाना!

शिवजी की तीसरी आँख से
निकली हुई महाज्वाला में
घृतमिश्रित सूखी समिधा–सम
कामदेव जब भस्म हो गया
रति का क्रन्दन सुन आँसू से
तुमने ही तो दृग धोये थे?
कालिदास, सच–सच बतलाना
रति रोई या तुम रोये थे?

(ग) निकल गली से तब हत्यारा
आया उसने नाम पुकारा
हाथ तौलकर चाकू मारा
छूटा लोहू का फ़व्वारा
कहा नहीं था उसने आख़िर उसकी हत्या होगी

भीड़ ठेलकर लौट गया वह
मरा पड़ा है रामदास यह
देखो देखो बार–बार कह
लोग निडर उस जगह खड़े रह
लगे बुलाने उन्हें जिन्हें संशय था हत्या होगी

2. निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 800 शब्दों में दीजिए : 16×4=64

(क) 'साकेत के 'नवम सर्ग' की विशेषताएँ बताइए।
(ख) छायावाद के प्रमुख कवि के रूप में सुमित्रानंदन पंत का मूल्यांकन कीजिए।
(ग) शमशेर बहादुर सिंह की कविताओं के महत्वपूर्ण पक्षों पर विचार कीजिए।
(घ) धूमिल की कविताओं की काव्यागत विशेषताएँ बताइए।

एम.ए. हिंदी कार्यक्रम
उपन्यास एवं कहानी (एम.एच.डी-3)
सत्रीय कार्य

पाठयक्रम कोड/एमएचडी:3
सत्रीय कार्य कोडःएमएचडी-3/टीएम/ए/2013-14
कुल अंकः100

1. 'होरी' को किसान से मजदूर बनाने वाले शोषण तंत्र की समीक्षा कीजिए। 10

2. काली को गांव से शहर की ओर पलायन करने पर मजबूर करनेवाली सामाजिक-आर्थिक स्थिति का विवेचनात्मक विश्लेषण कीजिए। 10

3. सांप्रदायिक दंगे भड़काने में राजनीतिक उद्देश्य तथा धार्मिक उन्माद की भूमिका पर समीक्षात्मक टिप्पणी लिखिए। (सूखा बरगद के संदर्भ में) 10

4. 'चीफ की दावत' कहानी के अवसरवादी मध्यमवर्गीय चरित्रों का विवेचनात्मक विश्लेषण कीजिए। 10

5. 'यह अंत नहीं' कहानी स्त्री के तिहरे शोषण की वास्तविकता से हमें रूबरू कराती है। उपरोक्त कथन की पुष्टि कीजिए। 10

6. निम्नलिखित विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिएः 10×5=50

   (क) भोलाराम का चरित्र चित्रण

   (ख) बाणभट्ट की आत्मकथा का सामाजिक संदर्भ

   (ग) तनु और मम्मी के वैचारिक द्वंद्व

   (घ) सिलिया का चरित्र चित्रण

   (ड़) 'ठाकूर का कुआँ ' में चित्रित सामाजिक यथार्थ

एम.ए. हिंदी कार्यक्रम
नाटक और अन्य गद्य विधाएँ (एम एच डी-4)

एम.ए. हिंदी से संबंधित यह अनिवार्य पाठ्यक्रम है। इसमें आपने नाटकों और अन्य गद्य विधाओं का अध्ययन किया है। चार नाटक और चौदह गद्य रचनाओं पर कुल 26 इकाइयाँ हैं। इनके अतिरिक्त आपको 'हिंदी गद्य विवेचना' के अंतर्गत कई आलोचनात्मक लेख भी दिए गए हैं। आशा है, आपने इन सभी का अध्ययन कर लिया होगा। इनके अध्ययन से आपको सत्रीय कार्य करने में मदद मिलेगी।

एम.ए. के सभी पाठ्यक्रमों में विद्यार्थी को एक-एक ही सत्रीय कार्य करने होंगे। इस सत्रीय कार्य में पूरे पाठ्यक्रम में से प्रश्न पूछे जाएँगे। सत्रीय कार्य और संत्रात परीक्षा में प्रश्न पत्र का ढाँचा कमोबेश एक-सा होगा। इसलिए सत्रीय कार्य को गंभीरता से लें। इनमें आपसे तीन तरह के प्रश्न पूछे जाएंगे।

- आपको पाठ्यक्रम में शामिल रचनाओं में से कुछ गद्यांशों की व्याख्या करनी होगी। यह प्रश्न अनिवार्य होगा जिन पर लगभग 40 अंक के प्रश्न पूछे जाएंगे।

- इसमें कुछ निबंधात्मक प्रश्न होंगे जिसमें पाठ्यक्रम में शामिल रचनाओं पर आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। आलोचनात्मक प्रश्न रचना की अंतर्वस्तु, प्रतिपाद्य, चरित्र-चित्रण, भाषा, शिल्प, महत्त्व और अन्य रचनाओं से तुलना से संबंधित हो सकते हैं। नाटक से संबंधित सवालों में रंगमंच प्रस्तुति और अभिनेयता के बारे में भी सवाल होंगे।

- आपसे विभिन्न विषयों पर टिप्पणियाँ करने के लिए भी दी जाएँगी, जो विवरणात्मक और आलोचनात्मक दोनों क्षेत्रों से हो सकती हैं।

- निबंधात्मक और टिप्पणीपरक प्रश्नों के लिए लगभग 60 अंक निर्धारित होंगे। अंकों का यही विभाजन सत्रांत परीक्षा पर भी लागू होगा।

सत्रीय कार्य
(पूरे पाठ्यक्रम के सभी खण्डों पर आधारित)

पाठ्यक्रम कोड : एमएचडी-4
सत्रीय कार्य कोड : एमएचडी–4/टीएमए/2013–14
कुल अंक : 100

1. निम्नलिखित अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 10X4=40

क) चना खाते मियाँ जुलाहे।
डाढ़ी हिलती गाह बगाहे।।
चना हाकिम सब जो खाते।
सब पर दूना टिकस लगाते।।
चने जोर गरम-टके सेर।

ख) अपनी ज़िंदगी चौपट करने का ज़िम्मेदार मैं हूँ। तुम्हारी ज़िन्दगी चौपट करने का ज़िम्मेदार मैं हूँ। इन सबकी ज़िंदगियाँ चौपट करने का ज़िम्मेदार मैं हूँ। फिर भी मैं इस घर से चिपका हूँ क्योंकि अंदर से मैं आराम-तलब हूँ, घरघुसरा हूँ, मेरी हड्डियों में ज़ंग लगा है।

ग) संसद के गंगा तटवर्ती बँगले को छोड़कर ही निराला जी फिर दारागंज की अपनी पुरानी कोठरी में चले गए, वहीं अवसाद और भक्ति का यह मिश्र स्वर मुखरतर होता गया। और वहीं गहरे धुँधलके और तीखे प्रकाश के बीच भँवराते हुए निराला उस स्थिति की ओर बढ़ते गए जहाँ एक ओर वह कह सकते थे, ''कौन निराला? निराला इज़ डेड!'' और दूसरी ओर दृढ़ विश्वासपूर्वक 'हिंदी के सुमनों के प्रति' सम्बोधित होकर एक आहत किंतु अखंड आत्मविश्वास के साथ यह भी कह सकते थे, ''मैं ही वसंत का अग्रदूत''।

घ) 'साम्प्रदायिकता सदैव संस्कृति की दुहाई दिया करती है। उसे अपने असली रूप में निकलते शायद लज्जा आती है, इसलिए वह उस गधे की भाँति जो सिंह की खाल ओढ़कर जंगल के जानवरों पर रोब जमाता फिरता था, संस्कृति का खोल चढ़ाकर आती है। हिंदू अपनी संस्कृति को कयामत तक सुरक्षित रखना चाहता है, मुसलमान अपनी संस्कृति को।

2 'स्कन्दगुप्त' नाटक के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए। 10

3. 'अंधायुग' नाटक के महत्त्व और प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए। 10

4 पठित निबंध के आधार पर हिन्दी निबंध परंपरा में रामचंद्र शुक्ल के योगदान पर प्रकाश डालिए। 10

5 'क्या भूलूँ क्या याद करूँ'? के आधार पर आत्मकथा की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 10

6 निम्नलिखित विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए : 5X4=20

(क) एब्सर्ड नाटक और 'तांबे के कीड़े'

(ख) ललित निबंध और 'कुटज'

(ग) रिपोर्ताज और 'अदम्य जीवन'

(घ) 'अंधेरी नगरी' का शिल्प

एम.ए. हिन्दी कार्यक्रम
हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास (एम.एच.डी-6)

एम.ए. हिन्दी का यह अनिवार्य पाठ्यक्रम है। "हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास" में आपने आदिकाल से लेकर आधुनिक काल तक की विभिन्न काव्य प्रवृत्तियों, हिन्दी गद्य साहित्य एवं भाषा के विकास का ऐतिहासिक दृष्टि से अध्ययन किया है।

सत्रीय कार्य का एक और उद्देश्य है -सत्रांत परीक्षा के लिए आपको तैयार करना। सत्रांत परीक्षा में जो सवाल आपसे पूछे जाएँगे उनका ढाँचा सत्रीय कार्य में पूछे गए सवालों जैसा ही होगा। इसीलिए सत्रीय कार्य को आप गंभीरता से लें। सत्रीय कार्य और सत्रांत परीक्षा में पूछे गए सवाल दो प्रकार के होंगे।

1. कुछ प्रश्न निबंधात्मक या विवेचनात्मक होंगे जो पाठ्यक्रम में शामिल हिन्दी काव्य प्रवृत्तियों, गद्य साहित्य तथा हिन्दी भाषा के ऐतिहासिक विकास से संबंधित हो सकते हैं।

2. दूसरे प्रकार के प्रश्नों में आपको विभिन्न विषयों पर विवरणात्मक/आलोचनात्मक टिप्पणियाँ लिखनी होंगी। निबंधात्मक प्रश्नों के लिए लगभग 60 प्रतिशत तथा टिप्पणीपरक प्रश्नों के लिए 40 प्रतिशत अंक निर्धारित किए गए हैं। सत्रांत परीक्षा में निबंधात्मक प्रश्न 60 से 80 प्रतिशत के हो सकते हैं।

सत्रीय कार्य
(खंड 1 से 8 पर आधारित)

सत्रीय कार्य कोडः एम एच डी-6/टी एम ए/2013-2014
कुल अंक 100

(1) हिन्दी साहित्य में प्रचलित काल विभाजन और नामकरण पर प्रकाश डालिए। 12

(2) रीतिकालीन कविता के विकास के काव्यशास्त्रीय आधार का विस्तृत विवेचन कीजिए । 12

(3) समकालीन कविता की मूल प्रवृत्तियों का सोदाहरण विश्लेषण कीजिए। 12

(4) हिन्दी आलोचना के विकास पर निबन्ध लिखिए। 12

(5) हिन्दी भाषा के विकास की संकल्पना को स्पष्ट करते हुए उसके विविध पहलुओं पर प्रकार डालिए। 12

(6) निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए : 8× 5=40

(क) रीतिमुक्त काव्य
(ख) भारतेन्दु युगीन कविता
(ग) जनवादी नाटक
(घ) प्रमुख कृष्ण भक्त कवि
(ङ) खड़ी बोली का सहित्यिक भाषा के रूप में विकास